भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

मौखिक प्रश्न सं. +*414

सोमवार, 23 मार्च, 2020/3 चैत्र, 1942 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

उत्तर-पूर्व क्षेत्र में पर्यटन संभावना का मूल्यांकन

+*414. कुमारी अगाथा के॰ संगमाः

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने उत्तर-पूर्व क्षेत्र (एनईआर) में पर्यटन के विकास के लिए पर्यटन संभावना का कोई मूल्यांकन किया है और यदि हां, तो घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय दोनों पर्यटकों को आकृष्ट करने हेतु विकसित किए जाने वाले प्रस्तावित पर्यटन स्थलों का ब्यौरा क्या है और इस संबंध में संबंधित राज्य सरकारों की प्रतिक्रिया क्या है;

(ख) उत्तर-पूर्वी राज्यों में पर्यटन के विकास के लिए विगत तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान राज्य-वार कितनी निधि आवंटित की गई है; और

(ग) क्या सरकार की पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए अगले वित्त वर्ष के दौरान उत्तर-पूर्वी राज्यों में मेले, उत्सव और प्रदर्शनियां आयोजित करने की कोई योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस उद्देश्य के लिए मेघालय सहित राज्य-वार कितनी निधि आवंटित की गई है**?**

उत्तर

पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री प्रहलाद सिंह पटेल)

(क) से **(**ग): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है ।

****

उत्तर-पूर्व क्षेत्र में पर्यटन संभावना का मूल्यांकन के बारे में दिनांक **23.03.2020** को लोकसभा के मौखिक प्रश्न संख्या +*__414__ के भाग (क) से (ग) के उत्तर में विवरण

(क) और (ख): प्राकृतिक सौंदर्य, जैव-विविधता, अद्वितीय वनस्पति और जीव, विश्व बन्धुत्व की भावना तथा सामाजिक ताना-वाना एवं वन्य जीवन आदि प्रमुख कारक है जो पूर्वोत्तर क्षेत्र में पर्यटन विकास की एक वृहत संभावना का निर्माण करते हैं ।

पर्यटन मंत्रालय पूर्वोत्तर राज्य सहित राज्य सरकारों द्वारा प्रस्तुत परियोजनाओं के लिए अपने विभिन्न योजना दिशानिर्देशों के तहत निधियों की उपलब्धता, उपयोगिता प्रमाण पत्रों की प्रस्तुति, विस्तृत परियोजना रिर्पोट (डीपीआर) की प्रस्तुति तथा योजना दिशानिर्देशों के अनुपालन की शर्त पर केंद्रीय वित्तीय सहायता (सीएफसी) प्रदान करता है । पिछले तीन वर्षों में पूर्वोत्तर राज्यों में स्वीकृत परियोजनाओं का ब्यौरा अनुबंध-। में दिये गये हैं ।

(ग): पूर्वोत्तर क्षेत्र में पर्यटन के संवर्धन के लिए मंत्रालय घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में क्षेत्र की विविधता, पर्यटन उत्पादों और इसकी समृद्ध संस्कृति को चिह्नित करते हुए विशेष प्रचार करता है । मंत्रालय पूर्वोत्तर राज्यों को संभावित अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू क्रेताओं को अपनी पर्यटन क्षमताओं को प्रदर्शित करने और उनके साथ बातचीत के अवसर प्रदान करने के लिए मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से किसी एक पूर्वोत्तर राज्य में प्रतिवर्ष अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन मार्ट का आयोजन करता है । पिछले वर्ष आईटीएम के 8वें संस्करण का आयोजन मणिपुर में किया गया था ।

पर्यटन मंत्रालय मेलों/उत्सवों/कार्यक्रमों के आयोजनों के लिए राज्य सरकारों/संघ क्षेत्र प्रशासनों द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावों के लिए संबंधित योजना दिशानिर्देशों के तहत केंद्रीय वित्तीय सहायता भी प्रदान करता है। पर्यटन मंत्रालय भावी वित्तींय वर्ष के लिए मेलों, उत्सवों के लिए निधियों का आबंटन नहीं करता है । वर्ष 2019-20 के लिए मेघालय सहित मेलों और उत्स्वों के लिए स्वीकृत निधियों का राज्य वार ब्यौरे अनुबंध -।। में दिये गये हैं ।

****

अनुबंध-।

उत्तर-पूर्व क्षेत्र में पर्यटन संभावना का मूल्यांकन के संबंध में दिनांक 23.03.2020 के लोक सभा मौखिक प्रश्न सं. +*414 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में विवरण

पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए स्वदेश दर्शन और प्रशाद योजनाओं के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची

(करोड़ रु. में)

क्र. सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	परिपथ का नाम	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि
	2015-16			
1.	मणिपुर	पूर्वोत्तर परिपथ	मणिपुर में पर्यटक परिपथ का विकास: इंफाल-खोंगजोम	**72.23**
2.	सिक्किम	पूर्वोत्तर परिपथ	रांग्पों (प्रवेश)- रोराथांग-अरितर-फाडमचेन- नाथंग-शेराथांग-त्सोंग्मो–गंगटोक-फोडोंग- मंगन- लाचुंग-युमथांग-लाचेन-थांगू-गुरूदोंगमेर- मंगन- गंगटोक-तुमिन लिंगी-सिंगतम (निकास) को जोड़ने वाले पर्यटन परिपथ का विकास।	**98.05**
3.	नागालैंड	जनजातीय परिपथ	जनजातीय परिपथ पेरेन-कोहिमा-वोखा नागलैंड का विकास	**97.36**
4.	मिजोरम	पूर्वोत्तर परिपथ	स्वदेश दर्शन योजना के अन्तर्गत नए इको पर्यटन थेंजावल एवं साउथ जोट, जिला सेरचिप और रेइक मिजोरम में पूर्वोत्तर परिपथ का एकीकृत विकास	**94.91**
5.	असम	वन्यजीवन परिपथ	असम में मानस- प्रोबितोरा- नामेरी- काजीरंगा-डिब्रू-सेखोवा का वन्य जीव परिपथ के रूप में विकास	**95.67**
6.	अरुणाचल प्रदेश	पूर्वोत्तर परिपथ	अरूणाचल प्रदेश में नए साहसिक पर्यटन का एकीकृत विकास	**97.14**
7.	त्रिपुरा	पूर्वोत्तर परिपथ	पूर्वोत्तर परिपथ: अगरतला- सिपाहिजला- मेलाघर-उदयपुर-अमरपुर- तीर्थमुख- मंदिरघाट- दुम्बूर-नरिकेलकुंज-गंडाचरा-अम्बासा का विकास	**99.59**
	2016-17			
8.	मेघालय	पूर्वोत्तर परिपथ	उमियम (लेक-व्यू) यू लुम-सोहपेटबनेंग-मावडियांगडियांग - आर्किड लेक रिजार्ट मेघालय का विकास	**99.13**
9.	मणिपुर	आध्यात्मिक परिपथ	आध्यात्मिक परिपथ श्रीगोविंदजी मंदिर- श्रीबिजय गोविंदजी मंदिर-श्रीगोपीनाथ मंदिर- श्रीबंगशीबोदन	**53.80**

			मंदिर- श्रीकैना मंदिर मणिपुर का विकास	
10.	सिक्किम	पूर्वोत्तर परिपथ	सिंगतम माका- तेमी- बरमोइक- तोकेल-फोंगिया नामची- जोरथांग, ओखारे- सोमबारिया- दरमदीन-जोरेधांग मेली (निकास) को जोड़ने वाले पर्यटक परिपथ विकास	**95.32**
11.	नागालैंड	जनजातीय परिपथ	नागालैंड में मोकोकचुंग-तुएनसांग-मोन जनजातीय परिपथ का विकास	**99.67**
12.	असम	विरासत परिपथ	स्वदेश दर्शन योजना के अन्तर्गत असम में विरासत परिपथ के रूप में तेजपुर-माजुली-सिबसागर का विकास	**98.35**
13.	मिजोरम	इको परिपथ	स्वदेश दर्शन योजना की इको परिपक थीम के अन्तर्गत इको- रोमांचकारी परिपथ आइजवाल-रॉपुइछिप-खॉहफॉव-लेंगपुई-डर्टलॉग-चतलांग-सकव्रवमुईट्वेट-लॉग-मुथी-बेराटलॉग-तुइरियाल एयर फील्ड-मुईफॉग का विकास	**99.07**
	2018-19			
14.	त्रिपुरा	पूर्वोत्तर परिपथ	त्रिपुरा में पूर्वोत्तर परिपथ सुरमा छेरा-उनाकोटी –जुम्पुई हिल्स-गुनाबाती-भुनानेश्वरी-माताबाड़ी-नीरमहल-बॉक्सानगर-छोटा खोला- पिलक- अवांगछारा का विकास	**65.00**
15.	मेघालय	पूर्वोत्तर परिपथ	पश्चिम खासी पहाड़ियां (नोंगखलवा - क्रेम तिरॉट, खुदोई तथा कोहमांग जलप्रपात - खरी नदी मावतद्रिशान, शिलांग) जयंतिया हिल्स (क्रेंग सूरी फाल्स् शिरमंग लुकसी) गारो पहाड़ियों (नेक्रिक रिजर्व, कट्टा बील, सीजु गुफाएं) का विकास	**84.97**

प्रशाद योजना

(करोड़ रु. में**)**

क्र. सं.	राज्य	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि
	2015-16		
1	असम	गुवाहाटी में कामाख्या मंदिर और इसके आस-पास तीर्थ गंतव्य का विकास	**30.71**
	2018-19		
2	नागालैंड	नागालैंड में तीर्थस्थल सुविधाओं का विकास	**25.26**

****

अनुबंध-।।

उत्तर-पूर्व क्षेत्र में पर्यटन संभावना का मूल्यांकन के संबंध में दिनांक 23.03.2020 के लोक सभा मौखिक प्रश्न सं. +*__414__ के भाग (ग) के उत्तर में विवरण

वर्ष 2019-20 के लिए पूर्वोत्तर क्षेत्र में मेलों और त्योहारों की सूची

(लाख रु. में)

क्र. सं.	राज्य का नाम	मेलों और त्योहरों का नाम	स्वीकृत राशि
1	त्रिपुरा	**(i)** ओल्ड अगरतल्ला खेयरपुर में 12 से 18 जुलाई, 2019 में खारची मेले का आयोजन - 25 लाख रु. **(ii)** मेलाघर, सिपाहीजला त्रिपुरा में 24 से 27 अगस्त, 2019 में नीरमहल महोत्सव का आयोजन के लिए 2.00 लाख रु. (iii)माताबाड़ी, उदयपुर में 28-29 अक्तूबर, 2019 में दीवाली मेला का आयोजन के लिए 15.00 लाख रु.	**42.00**
2	मिजोरम	वर्ष 2019-20 में मिजोरम राज्य में सितम्बर, 2019 में एंथूरियम महोत्सव और शीतकालीन महोत्सव का आयोजन	**50.00**
3	सिक्किम	वर्ष 2019-20 में सिक्किम राज्य में विश्व पर्यटन दिवस गंगटोक - 27 सितम्बर, 2019 और रेड पाण्डा शीत महोत्सव- दिसम्बर, **2019** के आयोजन के लिए सीएफए	**50.00**
4	अरुणाचल प्रदेश	वर्ष 2019-20 में अरुणाचल प्रदेश राज्य में रिवर ट्राइव एंगलिंग महोत्सव, 2019, मियाओ में बाटर फ्लाई मीट 2019 के आयोजन के लिए सीएफए	**50.00**
5	नागालैंड	वर्ष 2019-20 में नागालैंड राज्य में थुवु-नी महोत्सव, हॉर्नबिल महोत्सव और सुखरुनी महोत्सव 2019 के आयोजन के लिए सीएफए	**50.00**
6	मणिपुर	**(i)** संगाई महोत्सव -.25.00 लाख रु. **(ii)** युवा साहसिक और जल खेल उत्सव – 25 लाख रु.	**50.00**
7	मेघालय	**(i)** वांगला नृत्य - 25.00 लाख रु. **(ii)** नोंगक्रेम नृत्य महोत्सव - 25.00 लाख रु.	**50.00**
		कुल	**342.00**

****